**धारा 389 द. प्र. सं. के अधीन जमानत आवेदनपत्र**

नयी दिल्ली दाण्डिक अपीलीय अधिकारिता में उच्च न्यायालय ....................................

दाण्डिक प्रकीर्ण सं. ................सन ...................

इनरी :

अबक .............. ......................................................................................... अपीलार्थी

बनाम

राज्य ………………………. ………………………….. …………………. … प्रत्यर्थी

**धारा 389 द0 प्र0 सं0 के अधीन आवेदनपत्र। -**

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ................ द्वारा पारित किये गये दण्डादेश के निलम्बन की माँग करना देखे .............. रुपये जुमाने के साथ ................. कठोर कारावास के दण्डादेश को भोगने के लिए और व्यतिक्रम में साधारण कारावास भोगने के लिए धारा .............. ........... के अधीन अपराध के लिए आदेश दिनांकित ................

अति सादर पूर्वक प्रदर्शित करता है –

1. यह कि विनम्र याची का विचारण ............. धारा के अधीन अपराध के लिए .............. सत्र न्यायाधीश द्वारा किया गया है और यथा उपरोक्त को भोगने के लिए दण्डादेश पारित किया है।
2. यह कि दोषसिद्धि द्वारा व्यथित होने वाले अपीलार्थी ने एक दाण्डिक अपील दायर की है जो आदरणीय उच्च न्यायालय के समक्ष लम्बित न्याय-निर्णयन है।
3. यह कि अपीलार्थी विचारण की पूर्णकालिक जमानत पर हो गया है और इस प्रकार मंजूर की गयी जमानत विशेषाधिकार का दुरुपयोग नहीं किया।
4. यह कि माननीय उच्च न्यायालय इस आवेदन पत्र को ग्रहण करने तथा इस प्रकार चाही गयी अनुतोष को मंजूर करने की अधिकारिता रखता है।
5. यह कि आवेदक याची इस माननीय न्यायालय द्वारा अधिरोपित किसी भी शर्त का अनुपालन करेगा और प्रबल प्रतिभू देगा।

(जमानत को मंजूर करने में सहायक होने वाले किसी भी सुसंगत तथ्य को जोड़ा जा सकेगा)।

(अपील दाखिल करने के लिए अस्थायी जमानत यदि कोई हो तो उसको आवेदनपत्र में अवश्य उद्धृत किया जाना चाहिए।)

प्रार्थना

यह अति सादर पूर्वक निवेदन किया जाता है कि यह माननीय न्यायालय जमानत मंजूर करने में और उस अपील के अंतिम निपटारा होने तक दण्डादेश को निलम्बित करने के रूप में सिद्धदोषी को करने की कृपा करे। जिस दयापूर्ण कार्य के लिए विनम्र याची माननीय न्यायालय का सदैव आभारी रहेगा।

तारीख : आवेदक जरिये अधिवक्ता

स्थान: